

B.F.D.(Part-II)(with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem III
BFD234 - Surface Ornamentation - I Paper-IV

P. Pages : 3

Time : Three Hours



GUG/W/16/3084

Max. Marks : 60

- Notes : 1. All questions are compulsory and carry equal marks.
2. Draw diagrams wherever necessary.

1. a) Give the scope & importance of surface ornamentation. 12

OR

b) Explain the importance of creating design on fabric & give its methods.

2. a) Give the history of embroidery in detail. 12

OR

b) Give the classification of embroidery stitches.

3. a) Give the stitches used in chikankari. 12

OR

b) Write about stitches colours & motifs used in phulkari of Punjab.

4. a) Write about Manipuri embroidery & it's specifications. 12

OR

b) Write about kantha of Bengal in detail.

5. Write in short about **any four**. 12

- | | |
|------------------------------------|------------------------|
| a) Types of surface ornamentation. | b) Chamba rumal |
| c) Kasuti embroidery | d) Gujarati embroidery |
| e) Chikankari techniques. | |

B.F.D.(Part-II)(with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem III
BFD234 - Surface Ornamentation - I Paper-IV

Time : Three Hours

Max. Marks : 60

- सूचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य असून समान गुणांचे आहेत.
2. आवश्यक तेथे आकृत्या काढाव्यात.

1. अ) पृष्ठीय परिसज्जेचे महत्व आणि व्याप्ती स्पष्ट करा.

12

किंवा

ब) वस्त्रावर डिझाईन बनविण्याचे महत्व स्पष्ट करून त्याच्या पध्दती लिहा.

2. अ) भरतकलेचा इतिहास सविस्तर लिहा.

12

किंवा

ब) भरतकलेतील टाक्यांचे वर्गीकरण लिहा.

3. अ) चिकनकारी मध्ये वापरल्या जाणाऱ्या टाक्यांबाबत लिहा.

12

किंवा

ब) पंजाबी फुलकारीमध्ये वापरल्या जाणारे टाके, रंग आणि मोटीफ याबाबत लिहा.

4. अ) मणीपुरी भरतकला आणि त्याची वैशिष्ट्ये लिहा.

12

किंवा

ब) बंगालच्या कांथाबदल सविस्तर लिहा.

5. थोडक्यात लिहा कोणतेही चार.

12

- अ) पृष्ठीय परिसज्जेचे प्रकार
क) कसूती भरतकला
इ) चिकनकारी तंत्र

- ब) चंबा रुमाल
ड) गुजराती भरतकला

B.F.D.(Part-II)(with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem III
BFD234 - Surface Ornamentation - I Paper-IV

Time : Three Hours

Max. Marks : 60

- सूचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं तथा सभी के समान अंक हैं।
2. आवश्यकता के अनुसार आकृति निकालिए।

1. अ) पृष्ठीय सज्जा का महत्व और व्याप्ति स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

- ब) वस्त्रपर डिजाइन बनाने का महत्व स्पष्ट करके उसकी पद्धतियों के बारे में लिखिए।

2. अ) कशिदाकारी का इतिहास विस्तार से लिखिए। 12

अथवा

- ब) कशिदाकारी के टाँके का वर्गीकरण कीजिए।

3. अ) चिकनकारी में इस्तमाल होने वाले टाँके के बारे में लिखिए। 12

अथवा

- ब) पंजाबी फुलकारी में इस्तमाल होने वाले टाँके, रंग और मोटीफ के बारे में लिखिए।

4. अ) मणीपूरी कशिदाकारी और उसकी विशेषताएँ लिखिए। 12

अथवा

- ब) बंगाल के कांथा के बारे में विस्तार से लिखिए।

5. संक्षेप में लिखिए कोई चार. 12

- अ) पृष्ठीय सज्जा के प्रकार
क) कसूती कशिदाकारी
इ) चिकनकारी तकनीक

- ब) चंबा रुमाल
ड) गुजराती कशिदाकारी

munotes.in